हिंदी दैनिक खबर

हर पल, हमारी खबर

केशववाणी

बुधवार 04 फ़रवरी 2026 बर्ष 02 अंक 131 पृष्ठ 4 www.keshavtv24.com www.keshavtvbihar@gmail.com

अनमोल वचन

यदि मनुष्य कुछ सीखना चाहे, तो उसकी प्रत्येक भूल कुछ न कुछ सीखा देती है ।

शिलान्यास के सात महीने बाद भी शुरू नहीं हुआ पुल निर्माण, ग्रामीणों का फूटा गुस्सा, पंचाने नदी में उतरकर किया प्रदर्शन, उग्र आंदोलन की चेतावनी

शंकर कुमार सिन्हा की रिपोर्ट। केशववाणी । बिहारशरीफ (नालंदा)। बिहारशरीफ प्रखंड के गंगा विगहा में पंचाने नदी पर प्रस्तावित पुल का निर्माण कार्य शिलान्यास के सात महीने बाद भी शुरू नहीं होने से ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। हालात यह हैं कि कार्यस्थल पर लगाया गया योजना बोर्ड भी गायब हो गया है, जिससे लोगों का भरोसा टूटता नजर आ रहा है।

मंगलवार को सैकड़ों महिला–पुरुष नदी में उतरकर प्रशासन और ठेकेदार के खिलाफ जा.`रदार प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने सरकार से शीघ्र निर्माण कार्य शुरू कराने की मांग की।

ग्रामीणों ने बताया कि मुख्यमंत्री ग्रामीण सेतु योजना के तहत 20 जून 2025 को पुल का धूमधाम से शिलान्यास किया गया था। करीब 6.62 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह एनएल पुल वास्तु विहार के पास प्रस्तावित है। पैकेज संख्या L-M6S-24-25 के तहत पटना की एक निजी कंपनी को इसका ठेका दिया गया है, जिसे 19 जून 2027 तक पूरा किया जाना है। बावजूद इसके अब तक निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका है।प्रदर्शन में शामिल ललिता कुमारी ने कहा कि बच्चों को स्कूल भेजना हो या बाजार जाना, हर दिन जान जोखिम में डालकर नदी पार करनी पड़ती है। बारिश के दिनों में पानी भर जाने पर लोगों को रेलवे पटरी के सहारे जाना पड़ता है, जहां कई हादसे हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि योजना बोर्ड हटने से लोगों की चिंता और बढ गई है।वहीं जितेंद्र कुमार ने बताया कि यह पुल नवादा, गंगा विगहा और राजगीर रोड को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण कड़ी है। बारिश के मौसम में आवागमन पूरी तरह बाधित हो जाता है। उन्होंने सवाल उठाया कि शिलान्यास के बावजूद काम शुरू न होना केवल खानापूर्ति जैसा प्रतीत हो रहा है।

आक्रोशित ग्रामीणों ने अधीक्षण अभियंता (ग्रामीण कार्य विभाग) को सामूहिक हस्ताक्षरित ज्ञापन सौंपा है, जिसकी प्रतिलिपि मुख्यमंत्री, परिवहन मंत्री, सांसद एवं जिलाधिकारी को भी भेजी गई है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही कार्यस्थल पर दोबारा बोर्ड लगाकर निर्माण कार्य शुरू नहीं किया गया, तो वे उग्र आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

मलमास मेला–2026 की तैयारियों में जुटा प्रशासन, डीएम ने राजगीर मेला क्षेत्र का किया निरीक्षण,भीड़ प्रबंधन व सुविधाओं को लेकर दिए निर्देश

शंकर कुमार सिन्हा की रिपोर्ट। केशववाणी । नूरसराय (नालंदा)। राजगीर (नालंदा)। जिला पदाधिकारी कुंदन कुमार ने मलमास मेला–2026 की प्रारंभिक तैयारियों के मद्देनजर राजगीर स्थित मेला क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को मेला की व्यवस्थाओं को समय रहते दुरुस्त करने तथा विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।

भ्रमण के क्रम में डीएम ने अनुमंडल पदाधिकारी, राजगीर एवं नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी को निर्देशित किया कि मलमास मेला को लेकर अविलंब प्रारंभिक कार्ययोजना तैयार कर प्रस्तुत करें। उन्होंने संभ.ाावित अपार भीड़ को देखते हुए विशेष रूप से भीड़ प्रबंधन और नियंत्रण की सुदृढ़ व्यवस्था सुनिश्चित करने पर बल दिया।

डीएम ने कहा कि जिन स्थानों पर श्रद्धालुओं की अधिक भीड़ जुटती है, वहां भीड़ नियंत्रण, सुरक्षा, बैरिकेडिंग, मार्ग व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक प्रबंधों को कार्ययोजना में अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए, ताकि किसी प्रकार की अफरातफरी या दुर्घटना की स्थिति उत्पन्न न हो।

उल्लेखनीय है कि मलमास मेला एक महत्वपूर्ण धार्मकि आयोजन है, जिसमें देश–विदेश से लाखों श्रद्धालु एवं पर्यटक राजगीर पहुंचते हैं। ऐसे में प्रशासन की प्राथमिकता श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं सुगम वातावरण उपलब्ध कराना है।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि मेला अवधि के दौरान श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए।

निरीक्षण के दौरान प्रशिक्षु सहायक समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी राजगीर, भूमि सुधार उप समाहर्ता, कार्यपालक पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

राजस्व कर्मचारी को निगरानी ने दबोचा 45 हजार रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार

अनुमंडल संवाददाता, राजगीर राजीव लोचन की रिपोर्ट। केशववाणी । राजगीर (नालंदा)– राजगीर अंचल कर्मचारी अखिलेश साह को निगरानी की टीम ने 45 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए राजगीर के छबिलापुर रोड के लेदुआ पुल के पास से धर दबोचा। निगरानी के डीएसपी अखिलेश कुमार ने बताया कि परिवादी रटना निवासी राजीव कुमार ने निगरानी को शिकायत दर्ज करायी थी कि राजस्व कर्मचारी अखिलेश साह परिमा. र्जन के एवज में उनसे रिश्वत की मांग की है। इसके बाद विभाग ने इसकी जांच करायी तो सही पाया। उसके बाद डीएसपी के नेतृत्व में एक धावादल का गठन किया गया। धावा दल में कृपाल चन्द्र जायसवाल, इंस्पेक्टर अमन आनंद, सब इंस्पेक्टर शशि कुमार, सिपाही चन्देश्वर कुमार, शिवानंद, पंकज कुमार, चंदन कुमार, सुमित राज शामिल थे। सूत्रों की मानें तो अंचल कार्यालय राजगीर में दलालों का अड्डा है। यहां पर लोग परिमार्जन के लिए सालों से चक्कर लगा कर थक जाते हैं पर उनकी जमीन ऑनलाइन बिना पैसे लिए हुए नहीं चढ़ाया जाता है। एक किसान कई सालों से कई बार आवेदन कर चुके हैं।

अधिकारी से लेकर कर्मचारी पर हुई थी 2022 में कॉरवाई, पर नहीं सुधरी व्यवस्था, अंचल कार्यालय में दलालों का है दबदबा

राजगीर प्रखंड के अंचल कार्यालय में दलाल अड्डा जमाये रहते हैं। कार्यालय में तैनात हर राजस्व कर्मचारी अपने साथ एक से अधिक प्राइवेट दलाल को रखे हुए हैं। वे जब भी पंचायत में जाते हैं तो अपने दलाल को लेकर ही जाते हैं। शहर के चौक–चौराहे पर अपने दलाल के साथ ही किसानों से बात करते हैं। सीधे मुंह तो बात ही नहीं करते। वे सीधे अपने दलाल से बात करने कहते हैं। इस कारण किसानों से लेकर आम आवाम का परिमार्जन व दाखिल खारीज का काम बिना लेन–देन के संभव नहीं हो पाता रहा है।भले ही किसान सरकार के बताये रास्ते पर चलकर परिमार्जन के लिए ऑनलाइन आवेदन कर दिये हों। हद तो तब हो जाती है तब वहां पर तैनात सुरक्षाकमी व सीसीटीवी कैमरे गड़बड़ी के कारण नवम्बर 2022 में जिला प्रशासन द्वारा कॉरवाई की गयी थी और कुछ राजस्व कर्मचारियों व सीओ के उपर गाज गिरी थी। इसके बाद भी अब तक अंचल कार्यालय के कामों में सुधार होता नहीं दिख रहा है। कई किसान तो पांच साल से अपनी जमीन को ऑनलाइन चढाने के लिए चक्कर लगा रहे हैं। किसानों से अपनी ही जमीन को सही करवाने के लिए उन्हें सरकारी कर्मचारी के रखे गये दलालों की जी हुजुरी के अलावा उन पर दक्षिणा रूप चढावा देना पड़ता है। कई किसानों का तो अब तक ऑनलाइन पर जमीन का विवरण ही नहीं चढाया गया है। 60 प्रतिशत से अधिक ऐसे किसान हैं जिनका ऑनलाइन तो है पर उनका खेसरा का चढाव नहीं किया गया। किसानों ने बताया कि जब वे कार्यालय जाते हैं तो कर्मचारी कई तरह के कागजात की मांग करते हैं जो संभव नहीं हो पाता। वहीं जब रकम दी जाती है तो सारे मांग समाप्त हो जाते हैं और वह सही हो जाता है।

किसानों ने बताया कि नये राजस्व कर्मचारियों पर भी अवैध कर्मयिों व दलालों ने पकड़ बना ली है। लोगों ने कहा कि जब तक अवैध कर्मचारी रूपी दलाल को प्रशासन अंचल से बाहर नहीं करती है तब तक व्यवस्था नहीं सुधर सकती है। किसानों ने बताया कि ऑनलाइन खेसरा का चढ़ाव नहीं हो पाने के कारण एलपीसी नहीं बन पा रहा है। ऐसे में वे सरकार के अनुदान का लाभ लेने से भी वंचित हो जा रहे हैं। नवम्बर 2022 में डीएम ने लोगों की शिकायत के बाद अंचल के राजस्व कर्मचारियों को निलंबित किया था।

यहां के राजस्व कर्मचारी व अधिकारी ने मिलकर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की प्राचीन स्मारकों और पुरातात्विक स्थलों के अवशेषों के रखरखाव की भूमि को गलत तरीके से जमा. बंदी कर दी थी। यही नहीं उस जमीन की 60 सालों का लगान एक साथ नर्गित कर दिया था। इसके अलावा रेल विभाग की भूमि, राजगीर जिला परिषद, धार्मकि न्यास परिषद द्वारा निबंधित हसनपुर मठ की भूमि के दाखिल खारीज को भी मंजूरी दे दी थी। कर्मचारियों व सीओ पर कॉरवाई के बाद कुछ दिनों तक तो अंचल में दलाल रूपी कर्मचारी नजर नहीं आये थे। बाद में वे धीरे–धीरे अपनी पकड़ नये राजस्व कर्मचारियों पर बना लिए। लोगों ने कहा कि कई ऐसे दलाल हैं जिनको करोड़ों की संपतति है। उनके घर पर छापा मारा जाय तो अंचल का सरकारी दस्तावेज बरामद हो सकता है।

सूर्य नमस्कार से सकारात्मक ऊर्जा का संचार खेल से चरित्र और राष्ट्र निर्माण का संदेश

क्रीड़ा भारती नालंदा ने बिहारशरीफ में किया जागतिक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम का आयोजन

शंकर कुमार सिन्हा की रिपोर्ट। केशववाणी बिहारशरीफ (नालंदा)। क्रीड़ा भारती नालंदा के तत्वावधान में बिहारशरीफ स्थित वैभव फिजिकल ट्रेनिंग सेंटर परिसर में भखेल से निर्माण चरित्र का, चरित्र से निर्माण राष्ट्र का स्लोगन के साथ जागतिक सूर्य नमस्कार (सूर्य सप्तमी) कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में खिलाड़ियों, युवाओं, प्रशिक्षकों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने बढ–चढकर हिस्सा लिया और सामूहिक रूप से सूर्य नमस्कार कर स्वास्थ्य एवं अनुशासन का संदेश दिया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं में शारीरिक, मानसिक और नैतिक विकास को बढावा देना तथा खेल और योग के माध्यम से स्वस्थ समाज का निर्माण करना रहा। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष मनीष कुमार ने कहा कि क्रीड़ा भारती खेल और खिलाड़ियों के लिए समर्पित संस्था है, जो निरंतर युवाओं को राष्ट्र निर्माण की दिशा में प्रेरित करती है। उन्होंने आयोजन के सफल संचालन के लिए सभी प्रतिभागियों और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

विभाग संयोजक कार्यानंद शर्मा ने बताया कि माघ मास के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि, जिसे सूर्य सप्तमी के नाम

उन्होंने कहा कि सूर्य नमस्कार शारीरिक स्फूर्ति, मानसिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करने का सवीत्तम साधन है। जिले में इस वर्ष दो केंद्र—तेलहाड़ा प्रखंड और बिहारशरीफ—पर कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस मौके पर शंकर कुमार पाठक (मंत्री, क्रीड़ा भारती नालंदा), ललन कुमार (समाजसेवी), पिंटू जी सहित कई गणमान्य लोग और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अंत में सभी ने नियमित रूप से योग और सूर्य नमस्कार को अपनी दिनचर्या में शामिल करने का संकल्प लिया।

सरस्वती विद्या मंदिर में धूमधाम से मना वार्षिकोत्सव ,बच्चों को ज्ञान के साथ नैतिक मूल्यों की शिक्षा भी जरूरी - डीएम

अनुमंडल संवाददाता, राजगीर, राजीव लोचन की रिपोट। केशववाणी राजगीर (नालंदा) पूज्य तपस्वी श्री जगजीवन जी महाराज सरस्वती विद्या मंदिर हसनपुर में मंगलवार को धूमधाम से वार्षिकोत्सव 'अंतराग्नि' मनाया गया। इसका उद्घाटन डीएम कुंदर कुमार, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ बिहार के क्षेत्र कार्यवाह डॉ. मोहन सिंह, विद्या भारती उत्तर पूर्व क्षेत्र के संगठन मंत्री खयालीराम, विद्या भारती उत्तर पूर्व क्षेत्र के उपाध्यक्ष डॉ. नन्द किशोर पाण्डेय, अखिल भारतीय शिक्षा समिति एवं शिशु शिक्षा प्रबंधन समिति के सचिव प्रदीप कुमार कुशवाहा के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। प्राचार्य अनंत कुमार सिन्हा ने अतिथियों का परिचय कराया।

डीएम कुंदन कुमार ने कहा कि राष्ट्र की मजबूती के लिए बच्चों को ज्ञान के साथ नैतिक मूल्यों से युक्त शिक्षा देना बहुत जरूरी है। उन्होंने विद्या भारती की संस्कारयुक्त शिक्षा पद्धति की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा के साथ संस्कार ही राष्ट्र निर्माण का आधार है।

डॉ. मोहन सिंह ने कहा कि छात्रों में सकारात्मक सोच का विकास होना चाहिए। छात्रों द्वारा कार्यक्रम के दौरान स्वागत गीत, गणेश वंदना, बिहार गौरव गीत, संस्कृत गीत, अंग्रेज़ी नाटक, हिंदी नाटक, कत्थक नृत्य सहित अन्य विधा पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। स्कूल के मेधावी छात्रों को पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम में उप–प्राचार्य रामजी प्रसाद सिन्हा के साथ सभी शिक्षक मौजूद थे।

रहुई थाना क्षेत्र के हुडरहिया गांव में आपसी विवाद के दौरान फायरिंग, आरोपी फरार

रानी सिन्हा की रिपोट। केशववाणी रहुई(नालंदा) रहुई थाना क्षेत्र के हुडरहिया गांव में आपसी विवाद के दौरान फायरिंग की घटना सामने आई है, जिससे इलाके में कुछ देर के लिए दहशत का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही रहुई थानाध्यक्ष ललित विजय पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू की।थानाध्यक्ष ने बताया कि हुडरहिया गांव निवासी रमेश कुमार एवं अनीष कुमार के बीच कहासुनी हुई थी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि रास्ते में खड़े अनीष कुमार को हटने के लिए कहने पर विवाद शुरू हुआ, जो देखते ही देखते उग्र हो गया। इसी दौरान अनीष कुमार ने दूसरे पक्ष के साथ मारपीट की और फायरिंग कर दी। हालांकि, फायरिंग की घटना में किसी के घायल होने की पुष्टि नहीं हुई है। घटना की सूचना पर सदर डीएसपी–2 संजय जयसवाल भी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। डीएसपी ने बताया कि फायरिंग के बाद आरोपी अनीष कुमार मौके से फरार हो गया है। पुलिस ने घटनास्थल को सुरक्षित कर लिया है और साक्ष्य संकलन के लिए एफएसएल टीम को बुलाया गया है। पीड़ित पक्ष से आवेदन प्राप्त कर औपचारिक प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

भेंडा के मनोकामना शिवमंदिर में चार दिवसीय धार्मिक महोत्सव, तैयारियां जोरों पर

रानी सिन्हा की रिपोट। केशववाणी रहुई(नालंदा) रहुई प्रखंड क्षेत्र के भेंडा गांव स्थित प्रसिद्ध मनोक. ामना शिवमंदिर में आगामी 13 फरवरी से चार दिवसीय भव्य धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसको लेकर गांव सहित आसपास के क्षेत्रों में उत्साह का माहौल है और आयोजन की तैयारियां अंतिम चरण में हैं।

मंदिर परिसर को सजाया जा रहा है तथा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए समिति द्वारा व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं।आयोजन समिति के अध्यक्ष महेंद्र प्रसाद उर्फ गांधी जी, राजेश प्रसाद एवं जितेंद्र कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी परंपरागत श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

कार्यक्रम के प्रथम दिन 13 फरवरी 2026, शुक्रवार को भव्य कलश शुभयात्रा निकाली जाएगी, जिसमें बड़ी संख्या में महिला–पुरुष श्रद्धालु भाग लेंगे। इसी दिन 24 घंटे का अखंड कीर्तन प्रारंभ होगा।

दूसरे दिन 14 फरवरी 2026 को अखंड कीर्तन की पूर्णाहुति के बाद विधिविधान से भगवान सत्यनारायण की पूजा संपन्न कराई जाएगी। तीसरे दिन 15 फरवरी 2026 को संध्या समय शिव बारात निकाली जाएगी तथा रात्रि में शिव विवाह का भव्य आयोजन होगा, जो श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र रहेगा।

कार्यक्रम के अंतिम दिन 16 फरवरी 2026 को दोपहर 1 बजे से महाभंडारे का आयोजन किया जाएगा, वहीं शाम 8 बजे से जागरण के साथ कार्यक्रम का समापन होगा।

नालंदा की विरासत

एलिवेटेड रोड का सपना नहीं हो सका साकार – एलिवेटेड रोड बनने से पर्यटकों को होगी सहूलियत

एलिवेटेड रोड – मलमास मेला के दौरान श्रद्धालुओं को मिल सकती थी परेशानी से निजात

अनुमंडल संवाददाता, राजगीर राजीव लोचन की रिपोर्ट। केशववाणी

राजगीर (नालंदा)– पर्यटक नगरी में एलिवेटेड कॉरिडोर रोड बनाये जाने की योजना थी। 8.7 किलोमीटर लंबी इस रोड पर 13 सौ करोड़ रुपये की लागत आनी थी। हालांकि कुछ कारण वश यह साकार नहीं हो सका और यह योजना अधर में ही लटका रह गया।

इस एलिवेटेड कॉरिडोर से खासकर मलमास मेला में आने वाले श्रद्धालुओं को काफी सहूलियत हो सकती थी। मेला के दौरान राजगीर से गया की ओर जाने वाले आम लोगों से लेकर श्रद्धालुओं को इसके बनने से सहूलियत हो सकती थी। लोगों का कहना है कि इस तरह की योजना को पूरा होना चाहिए था। इससे पर्यटकों का आकर्षण और भी बढ सकता है। लोगों को जाम से निजात मिलेगा।

केन्द्र सरकार को इस पर दोबारा से विचार करना चाहिए। यह कॉरिडोर शहर के अनुमंडल कार्यालय से लेकर वनगंगा तक बनना था। इसमें रोपवे के

पास कॉरिडोर से उतरने के लिए रैंप भी बनाया जाना था। इस रोड के बनने से राजगीर की सुंदरता में चार चांद लग जायेगा। लोगों को राजगीर में लगने वाले जाम से निजात मिल जायेगी।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राजगीर को एक नया आयाम दिया है। राजगीर को विश्व पटल पर उभारने के लिए कई योजनाओं पर काम किया गया है।

यहां पर पर्यटकों के लिए जू–सफारी, नेचर सफारी, आठ सीटर रोपवे, घोड़ाकटोरा पार्क, वेणुवन पार्क के अलावा नालंदा विश्वविद्यालय, अंतरराष्ट्रीय स्तर का क्रिकेट स्टेडियम सहित अन्य योजनाओं पर काम हुआ है। इससे राजगीर अब विश्व स्तर पर पर्यटकों का केन्द्र बन गया है। अब यहां पर गोवा से भी अधिक पर्यटक आते हैं।

इस कॉरिडोर पर से यहां के जू–सफारी, नेचर सफारी सहित वादियों की हसीन झलक मिल सकेगी। वे यहां के ऐतिहासिक स्थलों का भी दीदार कर सकेंगे। यह टूरिज्म को बढावा देने में एक मिल का पत्थर साबित हो सकता है। यह बन जाता है तो नवादा, गया सहित अन्य जगहों को जाने वाले यात्रियों को भी काफी सहूलियत होगी।

इस ऐलिवेटेड कॉरिडोर के निर्माण के लिए सीएम नीतीश ने कई बार शहर व स्थल पर जाकर निरीक्षण भी किया था। हालाकि कुछ कारणवश इसे केन्द्र सरकार की हरी झंडी नहीं मिल सकी थी। इस कारण ही यह योजना अधर में कागज पर ही रह गयी।

लोगों ने कहा कि सरकार को इस पर एक बार फिर से विचार करना चाहिए। इसे बनाया जाना चाहिए। इससे राजगीर को काफी फायदा होगा।

पावापुरी स्कूल में १४ वर्षीय छात्रा की अचानक मौत, परिजनों का हंगामा, जांच में जुटी पुलिस

संबाददाता केशववाणी । पावापुरी (नालंदा)। पावापुरी स्थित तीर्थंकर महावीर विद्या मंदिर (टीएमवीएम) में पढ़ने वाली आठवीं कक्षा की 14 वर्षीय छात्रा कृति कुमारी की मंगलवार को विद्यालय आने के बाद अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में शोक और मृतका के परिजनों में आक्रोश का माहौल है।

मृतका सरबहदा थाना क्षेत्र के सरबहदा गांव की निवासी थी और वर्तमान में अपने मौसा यदुनंदन प्रसाद के घर, बराकर थाना (राजगीर) में रहकर प्रतिदिन विद्यालय बस से स्कूल आती–जाती थी। मंगलवार सुबह भी वह रोज की तरह बस से विद्यालय के लिए निकली थी।

विद्यालय प्रबंधन के अनुसार, बस में ही उसकी तबीयत अचानक बिगड़ गई और उसे उल्टियां होने लगीं। स्थिति गंभीर देख तत्काल उसे पावापुरी स्थित भगवान महावीर आयुर्विज्ञान संस्थान अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

इधर, परिजनों ने विद्यालय प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि कृति सुरक्षित रूप से स्कूल पहुंच गई थी और उसकी मौत स्कूल परिसर में ही हो चुकी थी। वहीं विद्यालय प्रशासन ने इन आरोपों को खारिज करते हुए बताया कि छात्रा को अचानक उल्टी–दस्त की समस्या हुई थी।

बस चालक मुकेश सिंह ने बताया कि बस से उतरने के बाद कृति को उल्टी हुई थी। तबीयत बिगड़ने पर स्कूल प्रशासन ने तुरंत उसके परिजनों को सूचना दी और अस्पताल ले जाया गया। दुर्गापुर गांव निवासी राकेश कुमार ने दावा किया कि बच्ची अचेत अवस्था में थी और उसकी हालत पहले से गंभीर थी।

मामले की गंभीरता को देखते हुए राजगीर थाना अध्यक्ष रमन कुमार अस्पताल पहुंचे और जांच शुरू की। वहीं दोपहर करीब 2:30 बजे अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सुनील कुमार सिंह विद्यालय पहुंचकर पूरे मामले की जांच की। फॉरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाने का काम शुरू किया है।

विद्यालय प्राचार्य कौशल किशोर कौशिक ने बताया कि विद्यालय में उपस्थिति का समय सुबह 8रू20 बजे है। सूचना मिलने पर छात्रा को तुरंत मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया और परिजनों को मा. `बाइल से जानकारी दी गई।

पुलिस ने कहा है कि मामले की जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा।

रहुई में मां समेत दो मासूम बेटियों की मौत से सनसनी, परिजनों ने ससुराल वालों पर जहर देकर हत्या का लगाया आरोप, पुलिस ने आत्महत्या की आशंका जताई

राकेश कुमार की रिपोर्ट केशववाणी । रहुई थाना क्षेत्र के जगनंदनपुर गांव में मां और उसकी दो मासूम बेटियों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने से इलाके में सनसनी फैल गई है। घटना के बाद मृतका के मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर जहर देकर हत्या करने का गंभीर आरोप लगाया है, जबकि पुलिस प्रारंभिक जांच में आत्महत्या की आशंका जता रही है। मामले की जांच जारी है।

मृतकों की पहचान जगनंदनपुर निवासी पिंटू यादव की 28 वर्षीय पत्नी कविता देवी, उनकी 5 वर्षीय पुत्री सपना कुमारी और डेढ़ वर्षीय गुंजन कुमारी के रूप में हुई है।

मायके पक्ष का आरोप

मृतका के दादा सूबे यादव, निवासी बासवान विगहा (बिहार थाना क्षेत्र), ने आरोप लगाया कि पिछले छह दिनों से ससुराल पक्ष द्वारा कविता को प्रताड़ित किया जा रहा था। उसे घर में खाना तक नहीं दिया जा रहा था, जिसके कारण वह पड़ोसियों के यहां जाकर भोजन करती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि ससुराल वालों ने ही जहर देकर तीनों की हत्या की है।

अस्पताल में भर्ती कर फरार होने का आरोप

मृतका के भाई (मामा) पीयूष कुमार ने बताया कि तबीयत बिगड़ने पर ससुराल वालों ने कविता और दोनों बच्चियों को पावापुरी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया और फिर वहां से फरार हो गए। इलाज के दौरान तीनों की मौत हो गई।

वहीं रहुई थाना अध्यक्ष ललित विजय ने बताया कि प्रथम दृष्टया जांच में घरेलू कलह के कारण महिला द्वारा अपने बच्चों के साथ जहर खाकर आत्महत्या करने की आशंका सामने आई है। हालांकि, सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है। ससुराल पक्ष के लोग अस्पताल में भर्ती कराने के बाद से फरार हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) की टीम को साक्ष्य संकलन के लिए बुलाया गया है।

पुलिस ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

सिलाव में 'स्वच्छ भारत मिशन' फेल, कागजों में सफाई, जमीन पर गंदगी का अंबार - महीनों से मानदेय को तरस रहे स्वच्छता कर्मी

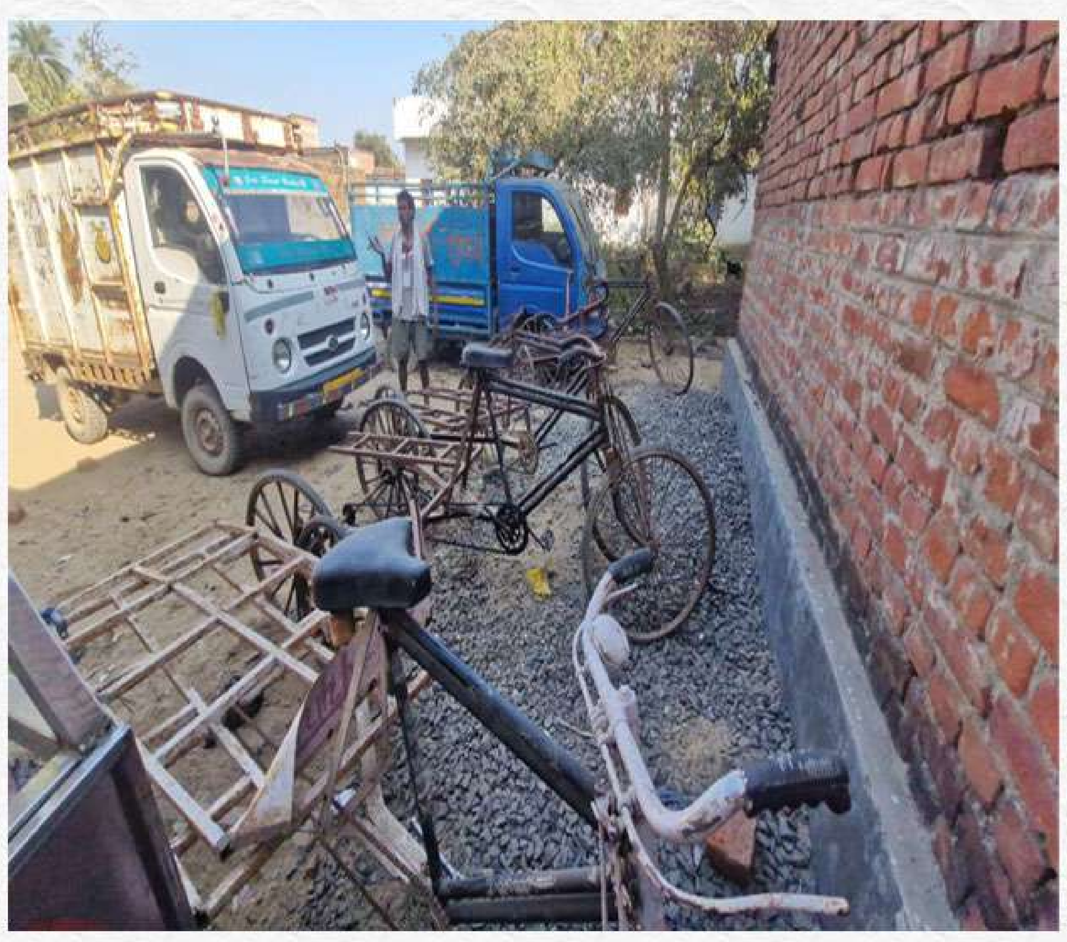

अनुमंडल संवाददाता, राजगीर , राजीव लोचन की रिपोर्ट केशववाणी | राजगीर अनुमंडल क्षेत्र के सिलाव प्रखंड में केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण)' धरातल पर दम तोड़ती नजर आ रही है। अधिकांश पंचायतों में स्वच्छता व्यवस्था बदहाल है। घर–घर कचरा उठाव, कचरा प्रबंधन और नालियों की सफाई जैसी मूलभूत सेवाएं ठप पड़ी हैं, जबकि कागजों पर अभियान सुचारू रूप से संचालित दिखाया जा रहा है।ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम पंचायतें विभागीय आदेशों की अनदेखी कर मनमानी कर रही हैं। कचरा उठाने वाले रिक्शा–ठेले जर्जर हालत में हैं और मरम्मत के अभाव में खुद कचरे में तब्दील हो चुके हैं। इससे गांवों में गंदगी का अंबार लग गया है। वहीं पंचायतों में नियुक्त स्वच्छता कर्मी महीनों से मानदेय के लिए भटक रहे हैं।

बड़ाकर पंचायत की स्थिति बदतर

प्रखंड की बड़ाकर पंचायत, जिसमें कुल 15 वार्ड हैं, वहां स्थिति और भी खराब बताई जा रही है। स्वच्छता अभियान केवल कागजों तक सीमित है। कई वार्डों में नियमित कचरा उठाव और सफाई नहीं हो रही है।

योजना का उद्देश्य अधूरा

स्वच्छ भारत मिशन के तहत गांवों को खुले में शौच मुक्त रखना, ठोस–तरल अपशिष्ट प्रबंधन, नालियों की सफाई और शौचालयों का रखरखाव सुनिश्चित करना है। इसके लिए पंचायतों में सफाई कर्मियों की तैनाती और नियमित निगरानी की व्यवस्था है। लेकिन सिलाव प्रखंड में इन प्रावधानों का पालन नहीं हो रहा है।

स्वच्छता कर्मियों का आरोप

वार्ड संख्या 01 के स्वच्छता कर्मी गुड्डू रजक और वार्ड 02 के डोमन साह ने बताया कि पिछले चार माह से कचरा ढोने वाले रिक्शा खराब पड़े हैं, जिससे घर–घर कचरा उठाव बंद है। मरम्मत के लिए कोई पहल नहीं की जा रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि वर्ष 2024 के बाद से मानदेय का भुगतान नहीं हुआ है। मरम्मत के नाम पर पैसे की मांग और मानदेय में कटौती की भी शिकायत की।

पंचायत का पक्ष

इस संबंध में पंचायत की स्वच्छता पर्यवेक्षक रिंकू कुमारी ने बताया कि 15 वार्डों में से सात वार्ड (01, 02, 03, 04, 06, 08, 09) में वाहन खराब होने के कारण कचरा उठाव प्रभावित है। उन्होंने कहा कि धनाभाव के कारण मरम्मत नहीं हो सकी है और सफाई कर्मियों द्वारा पैसे मांगने का आरोप बेबुनियाद है।

प्रशासन की प्रतिक्रिया

प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रहलाद कुमार ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन के संचालन की जिम्मेदारी ग्राम पंचायत की है। मुखिया और पंचायत सचिव को व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द ही व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

पेयजल योजना में बड़ा खेल: गांव प्यासा, जिला परिषद निधि से खेतों में गाड़ दिए चापाकल – ग्रामीणों का हंगामा, प्रशासन ने दिए हटाने के आदेश

अनुमंडल संवाददाता, राजगीर , राजीव लोचन की रिपोर्ट, केशववाणी । राजगीर (नालंदा)। राजगीर अनुमंडल क्षेत्र के सिलाव प्रखंड अंतर्गत बड़ाकर पंचायत में जिला परिषद की पेयजल योजना में अनियमितता का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि गांव की पेयजल समस्या दूर करने के लिए स्वीकृत चापाकल आबादी में लगाने के बजाय खेतों के बीच स्थापित कर दिए गए हैं, जिससे आम लोगों को लाभ नहीं मिल रहा है और सरकारी धन का दुरुपयोग हो रहा है।

बताया जाता है कि जिला परिषद सदस्य (सिलाव दक्षिणी) बेबी देवी द्वारा अपने कोटे से स्वीकृत दो चापाकल गांव के पश्चिमी और दक्षिणी हिस्से में खेतों के बीच गाड़े गए हैं। इन चापाकलों का उपयोग पेयजल के बजाय सिंचाई के लिए किया जा रहा है, जबकि गांव के लोग पानी के लिए दर–दर भटकने को मजबूर हैं।

पेयजल के नाम पर सिंचाइ

ग्रामीणों का कहना है कि जिन चापाकलों से गांव की प्यास बुझनी थी, वे अब खेतों की पटवन में इस्तेमाल हो रहे हैं। इससे योजना की मंशा पर सवाल खड़े हो गए हैं। गांव में नल–जल योजना भी प्रभावी नहीं है, ऐसे में लोग आज भी कुओं और पुराने हैंडपंपों पर निर्भर हैं।

पंचायत सचिव की भूमिका पर उठे सवाल,

नियमों के अनुसार चापाकल का स्थल चयन पंचायत सचिव की जिम्मेदारी होती है। लेकिन ग्रामीणों का आरोप है कि प्रभाव में आकर आबादी से दूर स्थल चुन लिया गया। लोगों ने सवाल उठाया है कि जब गांव में पेयजल संकट गहराया हुआ है, तो खेतों में बोरिंग की अनुमति कैसे दी गई।

ग्रामीणों में रोष

स्थानीय निवासी वाल्मीकि महतो, प्रयाग महतो, अनिल प्रसाद, सुबोध कुमार और कृष्णा पासवान ने बताया कि गांव में पानी की गंभीर समस्या है। इसके बावजूद सरकारी राशि से निजी लाभ पहुंचाया जा रहा है, जिससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश है।

प्रशासन सख्त, दिए कार्रवाई के निर्देश

मामले की जानकारी मिलने पर प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रहलाद कुमार ने इसे गंभीरता से लिया है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि खेतों में चापाकल लगाना अनुचित है। प्रशासन ने दोनों चापाकलों को तत्काल हटाकर आबादी वाले क्षेत्र में स्थानांतरित करने का निर्देश दिया है। आदेश का पालन नहीं होने पर संबंधित दोषियों के विरुद्ध जिला मुख्यालय को रिपोर्ट भेजकर विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

ग्रामीणों को अब प्रशासनिक कार्रवाई से जल्द राहत मिलने की उम्मीद है।

द्वारिका बिगहा गांव में चल रहे नौ दिवसीय रुद्र महायज्ञ का हुआ समापन, कार्यक्रम समाप्त होने के बाद भंडारा का किया गया आयोजन

रानी सिन्हा की रिपोर्ट केशववाणी | हरनौत (नालंदा) हरनौत प्रखंड क्षेत्र के द्वारिका बिगहा गांव स्थित फोरलेन के किनारे 25 जनवरी से चल रहे नौ दिवसीय रूद्र महायज्ञ सोमवार की देर शाम पूरे विधि–विधान के साथ संपन्न हो गया। महात्मा बीर भद्र व यज्ञाचार्य पंडित भोला झा उर्फ लाल बाबा की देखरेख में आचार्य मुकेश शास्त्री ,पं विष्णु देव शास्त्री व पं लक्ष्मण शास्त्री के द्वारा मंत्रोच्चारण कर पूजन–हवन कराया गया।

पूर्णाहूति के साथ कुमारी कन्याओं को भोजन भी कराया गया।साथ ही समीति की ओर से महाप्रसाद के रूप में खीर व पुरी का भंडारा का भी आयोजन किया गया। इस भंडारे में सैंकड़ों श्रद्घालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे वार्ड पार्षद प्रतिनिधि संतोष सिंह बताया कि इस नवदिवसीय भक्ति कार्यक्रम में पहले दिन सैकड़ो महिला श्रद्धालुओं के द्वारा गाजे बाजे के साथ भव्य कलश शोभायात्रा निकाला गया था। वही प्रतिदिन महायज्ञ एवं वृंदावन से आए हुए कलाकारों के द्वारा रात्रि में रासलीला कार्यक्रम का आयोजन किया जाता था। वही अंतिम दिन विशेष पूजा अर्चना एवं भंडारे के साथ कार्यक्रम संपन्न हो गया। इस नौ दिवसीय भक्ति अनुष्ठान कार्यक्रम में हरनौत नगर पंचायत के वार्ड संख्या 12 के वार्ड पार्षद प्रतिनिधि संतोष कुमार सिंह एवं संजीव कुमार उर्फ छोटी, अनिता देवी , सन्नी , पिंकु के साथ साथ आसपास के ग्रामीणों का भरपूर सहयोग रहा।

हर पल, हमारी खबर

केशववाणी

बिहार का नंबर 1 अखबार

अपने क्षेत्र की खबर भेजने और विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें

7033325120

केशववाणी में विज्ञापन देकर
अपने व्यवसाय को दे नई पहचान और नई दिशा